

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 13 सितम्बर, 2017

विषय : वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सिंचाई लिफ्ट/सिंचाई नलकूप योजनाओं पर विद्युत देयको के भुगतान हेतु धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपयुक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2264/प्र0अ0/बजट/बी-1(सामान्य) दि० 17 जुलाई, 2017 एवं शासनादेश संख्या 884/II-2017-03(10)/2015, दिनांक 26 मई, 2017 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सिंचाई लिफ्ट/सिंचाई नलकूप योजनाओं के विद्युत देयको के भुगतान हेतु कुल रू० 2700.00 लाख (रू० सत्ताईस करोड मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार वर्णित अनुदान/लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत यू०पी०सी०एल० को भुगतान किये जाने हेतु अधोलिखित शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशिरू० लाख में)

क्र. स.	मद सं०/नाम	अवशेष/ अवमुक्त हेतु प्रस्तावित
1	2	5
	अनुदान संख्या-20 मद संख्या-2702	
अ	102-लिफ्ट सिंचाई योजनाएँ	
	03-अनुरक्षण कार्य	
	09-विद्युत देय	366.67
	29-अनुरक्षण	
ब	103-नलकूप	
	03-अनुरक्षण कार्य	
	09-विद्युत देय	2333.33
	29-अनुरक्षण	
	योग 2702	2700.00

- (i) उक्त मदों में शासनादेश दिनांक 26 मई, 2017 द्वारा अवमुक्त धनराशि का पूर्ण व्यय करते हुए व्यय की सूचना शासन को उपलब्ध कराये जाने के बाद स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय नियमानुसार किश्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा।



- (ii) उक्त स्वीकृति के अधीन आहरण एवं व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 आदि सुसंगत प्राविधानों, वित्तीय नियमों एवं मितव्ययता सम्बन्धी समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- (iii) स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- (vii) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रतिमाह व्यय की सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध करायी जाय।
- (viii) वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 610/3(150)/XXVII(1)/2017, दिनांक 30 जून, 2017 में दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय और वांछित सूचनायें निर्धारित प्रपत्रों पर यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाय।
2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत उल्लिखित तालिका में वर्णित शीर्षकों/उपशीर्षकों के अन्तर्गत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 610/3(150)/XXVII(1)/2017, दिनांक 30 जून, 2017 में दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
प्रमुख सचिव।

संख्या-1509(1)/11(2)2017-03(10)/2015तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमायू मण्डल नैनीताल।
4. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-2), उत्तराखण्ड शासन।
7. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
9. वित्त नियंत्रक, सिंचाई विभाग, द्वारा प्रमुख अभियन्ता सिंचाई विभाग।
10. मार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(ओमकार सिंह)
संयुक्त सचिव